



असाधार ग

EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—इपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकारिक

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 367]

नद्वी विल्ली, मंगलवार, नवम्बर 15, 1977/कार्तिक 24, 1899

No. 367)

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 15, 1977/KARTIKA 24, 1899

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग सकतन के रूप में रख्ता जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 15th November 1977

GSR 702(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Phosalone [chemically known as S (6 Chloro 2 oxobenzoxazalin 3 yl) methyl diethyl phosphorothiolothionate or S-(6-Chloro 2 oxobenzoxazalin 3 yl) methyl OO diethyl phosphorothiolothionate], and falling within Chapter 29 of the First Schedule to the Customs Tarill Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India in a commercially pure form, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 40 per cent ad valorem

Provided that nothing contained in this notification shall apply to any patent or proprietary preparation containing the said Phosalone as an ingredient thereof

 $\,2\,$ This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1978

[No 244/F No 351/14/76-Cus 1] M JAYARAMAN Under Secy

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

प्रधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1977

सा०का०नि० 702(म्न).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क म्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना श्रावश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ भ्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम प्रनुसूची के भ्रध्याय 29के भ्रन्तर्गत सम्मिलित फोसालोन को जो रासायनिक रूप में एस-(6-क्लोरो-2 भ्रोक्सोबेन्जोकजलीन-3-वाई एल) मिथाइल डाइयाइल फोस्फारोथियों लोथियोंनेट या एस-(6-क्लोरो-2 श्रोक्सोबेन्जोकजलीन-3-वाई एल) मिथाइल जा अो-डाइथाइल फोस्फारोथियोलोथियोंनेट) के नाम से ज्ञात है। तब जब उसका भारत में भ्रायान वाणिज्यिक रूप से शुद्ध रूप में किया जाए, उक्त प्रथम भ्रनुसूची में विनिविष्ट उस पर उदम्रहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो मूल्य के चालीस प्रतिशत से भ्रधिक है

परन्तु ३स भ्रधिसूचना की कोई बात किसी पेटेन्ट या ऐसी साम्पत्तिक विनिर्मिती को लागू नहीं होगी जिसमें उक्त फोसोलोन उसके एक तत्व के रूप में मम्मिलित हो।

 यह प्रधिस्चना 31 मार्च 1978 तक, जिसमे यह दिन भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[मं ० 2 4 4/फा ० सं ० 3 5 1/1 4/7 6—सीमा-- शुल्क 1]

एम० जयरामन, भ्रवर सचिव।